1. मैं शकुन्तला देवी 2010 में बालाजी सेवा संस्थान की एक यूनिट सार्थक माइक्रो–फाइनेंस से 8000/– रू. का लोन लिया था। जिससें कि मैने ऐ गाय खरीदी और सन 2011 में 10,000 का लोन लिया जिसमे कि एक और गाय खरीदी। और दोनो गाय कू दूध को बेचने मुझेबहुत लाभ हुआ फिर मैने बालाजी की सहायता से बैंक से जुड़कर J.L.G. ग्रुप में 50,000/– का लोन लिया और समय परद अपनी किस्त चुकाती रही।इस तरह से मैंने अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित किया । जिससे मेरे और मेरे परिवार की आय बढ़ी और हमारा जीवन स्तर बेहतर हुआ। आज मेरे पास 4 गाय है और मैं अच्छे से अपना व्यवसाय चला रही हूँ।
   जिससे अपने परिवार के खर्चो में मदद करती हूँ, साथ ही अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर रही हूँ।
   लोन लेने से पहले मेरा और मेंरे परिवार का जीवन अस्त–व्यस्त था। लोन लेकर मैंने अपना व्यवसाय शुरू किया। जिससे मैं अपना उधम शुरू कर पाई मैं आगे भी सार्थक से जुड़े रहकर अपने उधम का और विस्तार करूंगी।

2. मैं सीमा देवी पत्नी मोहनलाल सार्थक माईक्रो फाइनेंस से 2010 में 8000रू का लोन लिया था जिससे मैने एक सिलाई मशीन खरीदीऔर अपना व्यवासाय शुरू किया। काम करते–करते मैंने एक और चिलसई मशीन खरीदी और अपने व्यवसाय को और बढ़ाया आज मैं और मेंरा परिवार सुख से अपनी जिन्दगी बिता रहे है वो केवल सार्थक माईक्रो फाइनेंस के बदौलत ही हुआ हैं मैं हमेशा सार्थक के साथ जुड़ें रहना चाहूँगी, इन्होने मुझें लोन के साथ–साथ यह भी बताया की अपना व्यवसाय किस प्रकार किया जाता है।

3. मैं कोमल देवी ने सार्थक माईक्रो फाइनेंस से 2010 में 10,000 का लोन लिया था, जिसे लेकर मैंने कॉस्मेटिक की छोटी सी दुकान शुरू की। कुछ समय बाद मैनें अपना काम बढ़ाने की सोची। और 2011 म मैंने फिर से सार्थक से 12000 का लोन लिया, 2013 में मैंनं दुबारा से 15000 का लोन लिया। मुझे लोन मिलने में किसी प्रकार की कोई परेशानी भी नही हुई क्योंकि मैं समय से अपनी किस्ते चुकाती रही। जिससे आज मेरी दुकान में काफी सामान हैं। आज मैं स्वयं एक उधमी हूँ। सार्थक की सहायता से ही मैं सफल हो पाई और मैं और मेरा परिवार अच्छे से अपना जीवन गुजर–बसर कर रहा है।